THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES (SHRI S. KRISHNA KUMAR): (a) and (b) Under the National Wind Resources Assessment Programme being undertaken in 25 States/UTs, 80 potential sites having annual mean wind speeds above 18 kmph have so far been identified in 8 States/UTs, which could be considered for setting up wind power projects.

(c) to (e) A capacity of 64.50 MW has already been installed in Gujarat, including 16.3 MW demonstration projects and 48.2 MW private sector projects. 15 potential sites have so far been identified in the State, viz., Bamanbore, Dhank, Harshad, Kalyanpur, Kukma, Mundra, Navibander; Okha, Okha Madhi, Surjabari, Limbara, Navadra, Bhandariya, Jamanvada, Lamba. Further private sector projects are likely during the current year after State Government clearance has been provided, and arragements firmed up for land and evacuation of power.

बायो-गैस आधारित विद्युत संयंत्र

3968. **श्री सुन्दर सिंह भंडारी** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने बायो-गैस पर आधारित विद्युत संयंत्र स्थापित करने का कार्य आरम्भ कर दिया है; यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ख) कृषि और औद्योगिक अपशिष्ट की कितनी मात्रा का अनुमान लगाया गया है, जिसे विद्युत का उत्पादन किये जाने का प्रस्ताव है तथा ऊर्जा स्रोत के रूप में उक्त अपशिष्ट का उपयोग करने के लिये क्या-क्या कदम उठाये जा रहे हैं ; और

(ग) गैर-पारंपरिक ऊर्जा का उत्पादन करने के लिये कौन-कौन सी विभिन्न योजनाएं कार्यान्वित की जा रही हैं ?

अपारंपरिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एस० कृष्ण कुमार) : (क) अपारंपरिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय द्वारा चीनी मिलों में खोई आधारित सह-उत्पादन के संवर्धन हेतु एक राष्ट्रीय कार्यक्रम और बायोमास दहन आधारित विद्युत परियोजनाओं पर प्रायोगिक कार्यक्रम का कार्यान्वयन किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों के विभिन्न संघटक हैं, जैसे प्रदर्शन योजना जिसके अन्तर्गत उन कुछ सीमित परियोजनाओं को अधिशेष निर्यातित विद्युत के लिये पूंजीगत वित्तीय राज सहायता दी जाती है जो पात्रता के निर्धारित मानदंडों को पूरा करते हैं; प्रौद्योगिकी विकास योजना के लिये सहायता तथा विस्तृत परियोजना रिपोर्टें तैयार करने आदि के लिये सहायता।

(ख) देश में कृषि गत अपशिष्ट और कृषिगत अपशिष्ट क्रमशः लगभग 320 मिलियन टन और 50 मिलियन टन होने का अनुमान है। शहरी, नगरीय और औद्योगिक अपशिष्ट से विद्युत का अनुमानित संभाव्य वार्षिक उत्पादन लगभग 1000 मेवा है।

सरकार चुनिंदा प्रदर्शन परियोजनाओं के लिये बजटीय सहायता, संस्थागत वित्त की सुविधा, कर में रियायतों जैसे राजकोषीय प्रोत्साहन और राज्य विद्युत बोर्डों से विद्युत की वीलिंग, बैंकिंग और खरीद के लिये अनुकूल नीतियां उपलब्ध करा रही है।

(ग) बायोमास, शहरी और औद्योगिक, अपशिष्टों से विद्युत के उत्पादन के अलावा अपारंपरिक ऊर्जा स्रोतों के उपयोग से अन्य विद्युत उत्पादन योजनाओं में पवन ऊर्जा, लघु पन बिजली, सह उत्पादन और सौर प्रकाशवोल्टीय शामिल हैं।